

रिमझिम पाठ- 17. छोटी-सी हमारी नदी

तुम्हारी नदी

प्रश्न 1. तुम्हारी देखी हुई नदी भी ऐसी ही है या कुछ अलग है? अपनी परिचित नदी के बारे में छुटी हुई जगहों पर लिखो -

..... सी हमारी नदी धार
गामीयों में , जाते पर

उत्तर- उजली सी हमारी नदी तेज इसकी धार
गर्मियों में इसके पानी में घुसकर जाते पार

प्रश्न 2. कविता में दी गई बातों के आधार पर अपनी परिचित नदी के बारे में बताओ-

*धार, *पाट, *बालू, *कीचड़, *किनारे, *बरसात में नदी

उत्तर- धार - हमारी परिचित नदी की धार कुछ धीमी हो गई है।

पाट - हमारी परिचित नदी की पाट ढालू है।

बालू - इस नदी में बहुत-सा बालू है।

कीचड़ - इस नदी के किनारों पर कीचड़ और रेत भी है।

बरसात में नदी - बरसात में इस नदी में पानी अधिक भर जाता है।

प्रश्न 2. नदी पर कोई और कविता खोजकर पढ़ो और कक्षा में सुनाओ।

उत्तर- बहता जल

नदी का जल

बहता कलकल

है ये बिल्कुल स्वच्छ और निर्मल

बच्चे नहाते इसमें हर पल

कहीं उछलकर

कहीं मचलकर

बहती रहती है समतल

प्रश्न 3. नदी में नहाने के बारे में तुम्हारा क्या अनुभव है?

उत्तर- नदी में नहाने के बाद एक अलग ही ताजगी मिलती है।

नदी में नहाकर हर प्रकार की थकावट मिट जाती है और

शरीर में चुस्ती और फुर्ती आ जाती है।

प्रश्न 4. क्या तुमने कभी मछली पकड़ी है अपने अनुभव साथियों के साथ बाँटो।

उत्तर- नदी के किनारे हम घूमने गए थे। वहाँ हमने एक

मछुआरे से काँटा लेकर मछली पकड़ी। हमें मछली पकड़ना

बहुत अच्छा लगा। लेकिन हमने मछली पकड़ने के बाद उसे

वापस नदी में छोड़ दिया, मछुआरा मछली माँगता रहा पर

हमने उसे नहीं दी क्योंकि हम उसे मारना नहीं चाहते थे।

प्रश्न 3. तुम्हारी परिचित नदी के किनारे क्या-क्या होता है।

उत्तर- हमारी परिचित नदी के किनारे लोग पूजा - पाठ करते हैं। कुछ लोग मछलियां पकड़ते हैं। बच्चे यहाँ नहाते हैं तथा दूसरें लोग अपने-अपने अन्य काम करते हैं। जैसे कपड़े धोना आदि ।

प्रश्न 4. तुम जहाँ रहते हो, उसके आस-पास कौन -कौन सी नदियाँ हैं। वे कहाँ से निकलती है और कहाँ तक जाती है? पता करो।

उत्तर- हमारे आस-पास गंगा, यमुना नामक दो नदियाँ हैं। ये हिमालय पर्वत से निकलकर समुद्र में मिलती हैं।